e-paper
सांध्य संस्करण
वर्ष : 1, अंक : 17, पृष्ठ : 2
मंगलवार, 15 सितंबर, 2026

अमृत उजाला
Digital News Paper

Scan to Read in Details

amritujala.com

बिल गेट्स की एआई पर चेतावनी

'एलियन' जैसी है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, दुनिया अभी तैयार नहीं

एजेंसी

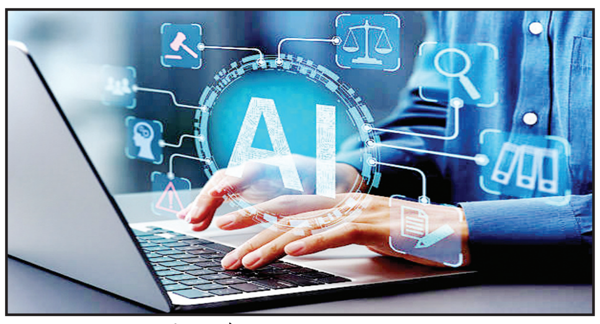

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने एआई की तुलना एक तरह के 'एलियन' से करते हुए कहा कि दुनिया अभी इसके तेजी से बढ़ते प्रभाव के लिए पूरी तरह तैयार नहीं है। बिल गेट्स के मुताबिक, एआई जिस रफ्तार से विकसित हो रही है, उसके मुकाबले सरकारों और संस्थानों की तैयारी काफी पीछे है। उन्होंने कहा कि एआई के संभावित जोखिमों से निपटने के लिए किसी एक देश के प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे। उन्होंने दुनिया के सभी देशों से मिलकर एआई के विकास और इस्तेमाल के लिए प्रभावी नियम और नियंत्रण व्यवस्था तैयार करने की अपील की। गेट्स का मानना है कि वैश्विक सहयोग के जरिए ही एआई के फायदों का इस्तेमाल करते हुए उससे जुड़े जोखिमों को नियंत्रित किया जा सकता है। सवाल अब यह है कि एआई को नियंत्रित करने के लिए दुनिया कितनी जल्दी साझा नियमों और रणनीति पर सहमत हो पाती है। गेट्स की यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब एआई को लेकर दुनिया में बहस तेज हो गई है। एक तरफ कंपनियां ज्यादा ताकतवर एआई बनाने की होड़ में लगी हैं, वहीं दूसरी तरफ साइंटिस्ट्स और टेक इंडस्ट्री के बड़े नाम इसके खतरों को लेकर चेतावनी दे रहे हैं। इसी बीच गेट्स ने कहा है कि सरकारों को अब सिर्फ एआई का फायदा देखने के बजाय इसके असर से निपटने की तैयारी भी करनी होगी। हालांकि यहां ये भी समझना जरूरी है कि भले ही एआई कंपनियों के सीईओ स्लोडाउन की बता कर रहे हैं, लेकिन कोई वाकई इसे स्लोडाउन करना चाह नहीं रहा है।

आईएएस दिव्या मित्तल का इस्तीफा मंजूर

आज से प्रशासनिक जिम्मेदारियों से मुक्त, आगे के कदम पर चर्चाएं तेज

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कैडर की चर्चित आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल अब प्रशासनिक सेवा की जिम्मेदारियों से मुक्त हो गई हैं। उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है और 15 सितंबर 2026 से उन्हें ड्यूटी से पूरी तरह मुक्त कर दिया गया है। दिव्या मित्तल के इस्तीफे को लेकर पिछले कुछ समय से चर्चाएं चल रही थीं। अब इस्तीफा मंजूर होने के बाद उनके प्रशासनिक करियर का यह अध्याय समाप्त हो गया है। सरकार की ओर से इस्तीफा स्वीकार किए जाने के बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से सरकारी दायित्वों से मुक्त करने की प्रक्रिया पूरी कर दी गई है। दिव्या मित्तल अपने कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर तैनात रही हैं। अपने काम करने के अलग अंदाज और कई चर्चित फैसलों के कारण वह अक्सर सुर्खियों में भी रही हैं। इस्तीफा स्वीकार होने के बाद अब सबसे ज्यादा चर्चा दिव्या मित्तल के अगले कदम को लेकर हो रही है। हालांकि, उन्होंने आगे की योजना को लेकर अभी कोई स्पष्ट सार्वजनिक घोषणा नहीं की है। ऐसे में उनके भविष्य को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। अब देखना होगा कि प्रशासनिक सेवा से अलग होने के बाद दिव्या मित्तल किस क्षेत्र में अपनी नई पारी शुरू करती हैं।

सख्त कार्यशैली और भविष्य की राह

मिर्जापुर, बस्ती और देवरिया में डीएम रहीं दिव्या मित्तल की गिनती सख्त और बेबाक अफसरों में होती थी। मिर्जापुर में उन्होंने आजादी के 75 साल बाद पानी की व्यवस्था कराई थी। इस्तीफा मंजूर होने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर जयशंकर प्रसाद की पंक्ति 'प्रशस्त पुण्य पंथ है, बढ़े चलो, बढ़े चलो' लिखकर अपनी नई जिंदगी की शुरुआत करने के संकेत दिए हैं।

जेन-जी और जेन-अल्फा बेहद स्मार्ट, जरूरत सिर्फ सही दिशा दिखाने की: शुभांशु शुक्ला

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। अंतरिक्ष की यात्रा कर देश का गौरव बढ़ाने वाले एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला ने युवा पीढ़ी को लेकर कहा कि जेन-जी और जेन-अल्फा काफी स्मार्ट और प्रतिभाशाली हैं। जरूरत उन्हें रोकने की नहीं, बल्कि उनकी ऊर्जा और प्रतिभा को सही दिशा देने की है। शुभांशु शुक्ला लखनऊ में आयोजित गोमती पुस्तक मेले में अपनी पत्नी के साथ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने युवाओं, शिक्षा और नई पीढ़ी की सोच को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी तकनीक और नई जानकारियों से काफी तेजी से जुड़ रही है और उसमें सीखने तथा कुछ नया करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि जेन-जी और जेन-अल्फा को सही मार्गदर्शन और बेहतर अवसर दिए जाएं तो वे देश और दुनिया के लिए बड़ा योगदान कर सकते हैं। उनके मुताबिक, नई पीढ़ी को केवल यह बताने की जरूरत नहीं है कि क्या करना है, बल्कि उन्हें अपनी क्षमता पहचानने और सही दिशा में आगे बढ़ने का अवसर भी मिलना चाहिए। पुस्तक मेले में शुभांशु शुक्ला की मौजूदगी को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। अंतरिक्ष मिशन से जुड़े उनके अनुभवों और युवाओं को लेकर उनकी बातों ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

गुरुग्राम हिट एंड रन केस: आरोपी कल्याण बैंसला राजस्थान से गिरफ्तार

- वीडियो सामने आने के बाद हत्या के प्रयास का केस

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम के चर्चित हिट एंड रन मामले में पुलिस ने आरोपी कल्याण बैंसला को राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है। मामले में सामने आए वीडियो फुटेज की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा के तहत कार्रवाई की है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद सामने आए वीडियो में घटनाक्रम से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य नजर आए। पुलिस ने वीडियो फुटेज की समीक्षा के साथ-साथ मामले से जुड़े अन्य साक्ष्यों की भी जांच की। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज मामले में गंभीर धाराएं जोड़ीं। पुलिस की टीम ने आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी और आखिरकार उसे राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है, ताकि घटना के पूरे घटनाक्रम और उसकी भूमिका को स्पष्ट किया जा सके। जांच में वीडियो फुटेज को महत्वपूर्ण साक्ष्य माना जा रहा है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि घटना किन परिस्थितियों में हुई और आरोपी की मंशा क्या थी। मामले में आगे की जांच के दौरान अन्य साक्ष्यों और बयानों को भी शामिल किया जा रहा है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

टक्कर के बाद कई मीटर तक घिसटी बाइक

कार की टक्कर लगते ही सिया बाइक समेत सड़क पर गिर गई और कई मीटर तक सड़क पर घिसटती चली गई। बाइक में लगे फ्रंट कैमरे में पूरा घटनाक्रम रिकॉर्ड हो गया। हादसे के बाद सिया ने घटना का वीडियो और कार से संबंधित जानकारी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की, जिसके बाद वीडियो तेजी से वायरल हो गया। सिया का कहना है कि उनके साथ मौजूद एक अन्य बाइक सवार ने कार चालक को रोकने की कोशिश की। आरोप है कि चालक ने रुकने और अपनी गलती स्वीकार करने के बजाय बाइक सवारों को ही घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया।

लाल बत्ती तोड़कर भागने का आरोप

पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि टक्कर के बाद कार चालक मौके पर नहीं रुका और लाल बत्ती पार कर वहां से फरार हो गया। सिया ने दावा किया कि कार में मौजूद लोग नशे में नजर आ रहे थे। हादसे में उन्हें मामूली चोटें आईं।

पीड़िता के घर भी पहुंची पुलिस

गुरुग्राम पुलिस मामले की जांच को आगे बढ़ाते हुए पीड़ित महिला के कालकाजी स्थित घर भी पहुंची थी। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज, वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों की मदद से मामले से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस घटना से जुड़े अन्य पहलुओं को भी खंगाल रही है।

सुवेंदु अधिकारी के पूर्व पीए की मां नंदीग्राम उपचुनाव में भाजपा की उम्मीदवार होंगी

कोलकाता। भाजपा ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के पूर्वी मिदनापुर जिले की नंदीग्राम विधानसभा सीट और मुर्शिदाबाद जिले की रेजीनगर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। नंदीग्राम से पार्टी ने हसीरानी रथ को उम्मीदवार बनाया है। वह चंद्रनाथ रथ की मां हैं, जो पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के पर्सनल असिस्टेंट थे और जिनकी इस साल 6 मई की शाम को राज्य के उत्तर 24 परगना ज़िले के मध्यमग्राम में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह हत्या पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के दो दिन बाद हुई थी। रेजीनगर उपचुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार सखराव सरकार हैं। हसीरानी रथ नामांकन दाखिल करने से पहले नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्र के जानकीनाथ मंदिर में पूजा करेंगी।

लखनऊ में गणेश उत्सव की धूम, 100 से अधिक पंडालों में गूंज रहे जयकारे

'मनौतियों के राजा' के दरबार में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ इन दिनों गणेश उत्सव के रंग में रंगी हुई है। शहर के अलग-अलग इलाकों में 100 से अधिक गणेश पंडाल सजाए गए हैं, जहां भगवान गणेश की भव्य प्रतिमाएं स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जा रही है। सुबह से देर रात तक पंडालों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है। गणेश उत्सव को लेकर शहर में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। पंडालों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है और कई स्थानों पर धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है। श्रद्धालु परिवार के साथ पंडालों में पहुंचकर भगवान गणेश के दर्शन कर रहे हैं और सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं।

'मनौतियों के राजा' के दरबार में खासा उत्साह

लखनऊ में 'मनौतियों के राजा' के दरबार में श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ देखने को मिल रही है। बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचकर भगवान गणेश के दर्शन कर रहे हैं और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। पंडालों के आसपास सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए भी इंतजाम किए गए हैं। शाम के समय श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने से कई प्रमुख गणेश पंडालों में खासा उत्सवी माहौल नजर आ रहा है। राजधानी में गणेश उत्सव के चलते धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियां भी तेज हो गई हैं। आने वाले दिनों में विभिन्न पंडालों में विशेष पूजा, भजन-कीर्तन और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

यूपीआई ट्रांजेक्शन चार्ज पर राहुल गांधी का सरकार पर निशाना, बोले- अमेरिका के दबाव में लिया जा रहा फैसला

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यूपीआई ट्रांजेक्शन पर संभावित शुल्क को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि यूपीआई लेनदेन पर चार्ज लगाने की चर्चा के पीछे अमेरिका का दबाव हो सकता है। राहुल गांधी ने सरकार से सवाल करते हुए कहा कि देश में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने वाले यूपीआई सिस्टम को लेकर अब आम लोगों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डालने की तैयारी क्यों की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अमेरिका के दबाव में यूपीआई ट्रांजेक्शन पर शुल्क लगाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

वैभव सूर्यवंशी के साथ हुई नाइंसाफी? पूर्व चयनकर्ता ने गौतम गंभीर पर साधा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर भारतीय क्रिकेट में बहस तेज हो गई है। पूर्व भारतीय चयनकर्ता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने टीम मैनेजमेंट और मुख्य कोच गौतम गंभीर के फैसलों पर सवाल उठाते हुए कहा कि वैभव के साथ उचित व्यवहार नहीं हुआ। श्रीकांत का मानना है कि जिस तरह वैभव को टीम में शामिल करने और उनके इस्तेमाल को लेकर फैसले लिए गए, उससे युवा खिलाड़ी को पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाया। उन्होंने टीम मैनेजमेंट की रणनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रतिभाशाली खिलाड़ी को मैदान पर अपनी क्षमता दिखाने के लिए लगातार मौके मिलना जरूरी है। पूर्व चयनकर्ता ने गौतम गंभीर और टीम मैनेजमेंट की भूमिका पर भी नाराजगी जताई। उनका कहना है कि वैभव जैसे युवा खिलाड़ी के आत्मविश्वास को बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है, खासकर तब जब वह कम उम्र में बड़े स्तर पर क्रिकेट खेल रहे हों। वैभव सूर्यवंशी ने अपनी कम उम्र में ही क्रिकेट जगत का ध्यान आकर्षित किया है। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और बड़े शॉट लगाने की क्षमता ने उन्हें भारतीय क्रिकेट की उभरती प्रतिभाओं में शामिल कर दिया है। श्रीकांत की इस टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर भी वैभव को लेकर चर्चा तेज हो गई है। अब नजर इस बात पर है कि टीम मैनेजमेंट युवा बल्लेबाज को आने वाले मुकाबलों में कितने अवसर देता है और वह इन मौकों को किस तरह भुनाते हैं।

विश्वास करने की जरुरत

भारत के पूर्व कप्तान कृष श्रीकांत का मानना है कि टीम प्रबंधन को सूर्यवंशी में ज्यादा विश्वास जताने की जरुरत है। उन्होंने साथ ही चेतावनी दी कि टॉप ऑर्डर में ज्यादा बदलाव टीम के लिए घातक साबित हो सकता है क्योंकि खिलाड़ी अपनी जगह को लेकर असुरक्षित महसूस कर सकते हैं।

श्रीकांत ने क्या कहा

अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में चूकि वैभव सूर्यवंशी नहीं खेले तो हमने फिल्म देखना शुरू कर दी। मेरी पत्नी चिल्लाई कि सूर्यवंशी नहीं खेल रहा और बहस करने लगी कि पिछली सीरीज के प्लेयर ऑफ द सीरीज खिलाड़ी को नहीं खिलाया।' उन्होंने आगे कहा, 'आप वैभव सूर्यवंशी के साथ उचित व्यवहार नहीं कर रहे हैं। अब अगर वो अगला मैच खेलता है तो उसके मन में यह सोच रहेगी कि अगर प्रदर्शन नहीं किया तो अगले मैच में फिर ड्रॉप कर दिए जाएंगे।

डिजिटल प्रभाव..............

अंतिम जन का देवता विनायक श्री गणेश- सबसे बड़ा गणेश बल

गणेश को समझना केवल एक देवता को समझना नहीं है; यह मनुष्य के भीतर छिपी उस शक्ति को समझना है जो बुद्धि को विवेक देती है, सामर्थ्य को दिशा देती है और सफलता को लोकमंगल से जोड़ती है। संसार में बुद्धिबल है, धनबल है, बाहुबल है, पदबल है और जनबल है, लेकिन इन सबका मूल्य तभी है जब इनके साथ विवेक और संतुलन हो। यही वह भाव है जिसे हम व्यापक अर्थ में गणेश बल कह सकते हैं। बुद्धि हो और विवेक न हो तो बुद्धिमत्ता अहंकार बन सकती है। धन हो और शुचिता न हो तो संपत्ति लोभ का साधन बन सकती है। शक्ति हो और संयम न हो तो वही शक्ति हिंसा का रूप ले सकती है। गणेश का स्वरूप इन शक्तियों को संतुलित करने का सांकेतिक दर्शन प्रस्तुत करता है। इसीलिए भारतीय परंपरा में किसी शुभ कार्य के प्रारंभ में गणपति का स्मरण किया जाता है। संदेश स्पष्ट है–कार्य से पहले बुद्धि, गति से पहले दिशा और शक्ति से पहले विवेक आवश्यक है। गणपति को 'अंतिम जन' से जोड़कर देखना भी अत्यंत अर्थपूर्ण है। गणेश की आराधना के लिए वैभव अनिवार्य नहीं है। दूर्वा जैसी सहज उपलब्ध वनस्पति और सरल श्रद्धा भी पूजा का अंग बन सकती है। गणेश पूजा की यह सरलता उस भारतीय धार्मिक चेतना को व्यक्त करती है जिसमें ईश्वर तक पहुँच का अधिकार केवल संपन्न व्यक्ति तक सीमित नहीं माना गया। उनका वाहन मूषक भी गहरा प्रतीक प्रस्तुत करता है। मूषक छोटा है, चंचल है और अंधकार में सक्रिय रहता है। गणेश का उसके ऊपर आरूढ़ होना इस बात का संकेत माना जा सकता है कि विशाल बुद्धि को छोटी-से-छोटी प्रवृत्ति पर भी नियंत्रण रखना चाहिए। मनुष्य के भीतर की वासनाएँ, इच्छाएँ और चंचलताएँ यदि अनियंत्रित रहें तो वही उसकी सबसे बड़ी बाधा बन जाती हैं। गणेश का मूषक पर नियंत्रण आत्मसंयम का संदेश देता है। इस दृष्टि से गणेश की पूजा केवल मंदिर की परिक्रमा नहीं, बल्कि समाज के उस व्यक्ति तक पहुँचने का संकल्प भी हो सकती है जो व्यवस्था की अंतिम पंक्ति में खड़ा है। जिसके पास साधन कम हैं, लेकिन सम्मान और अवसर पाने का अधिकार उतना ही है जितना किसी संपन्न व्यक्ति का। अंतिम जन की सेवा में जब बुद्धि, धन और श्रम लगते हैं, तभी शक्ति का वास्तविक अर्थ प्रकट होता है। आर्थिक जीवन में गणेश का संदेश और भी महत्वपूर्ण है। गणेश को केवल धन प्राप्ति का देवता मानना उनके व्यापक प्रतीकात्मक स्वरूप को सीमित कर देना होगा। वे बुद्धि और विवेक से जुड़े देवता हैं। आर्थिक समृद्धि केवल अधिक कमाने से नहीं आती; सही निर्णय, संयमित उपभोग, दूरदृष्टि और अनुशासित संचय भी आवश्यक हैं। लंबोदर का स्वरूप भी इसी संदर्भ में सुंदर प्रतीक बन जाता है। मनुष्य को केवल अर्जन नहीं, जीवन के अनुभवों को 'पचाना' भी सीखना चाहिए। आलोचना को पचाना, अपमान को पचाना, सफलता को पचाना और असफलता से सीख लेना–ये सब मानसिक परिपक्वता के संकेत हैं। धन भी यदि विवेक के बिना आए तो बोझ बन सकता है। इसलिए समृद्धि का पहला आधार शुद्ध निर्णय है। मानसिक स्तर पर गणेश का स्वरूप मनुष्य को अपने भीतर के विघ्न पहचानने की प्रेरणा देता है। भय, संशय, असुरक्षा, ईर्ष्या, क्रोध और निराशा ऐसे अदृश्य अवरोध हैं जो बाहर की किसी दीवार से अधिक शक्तिशाली हो सकते हैं। गणपति को 'विघ्नहर्ता' कहना इसीलिए अत्यंत सार्थक है। बाहरी बाधा हटाना जितना महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण भीतर की बाधा को पहचानना है। गणेश अथर्वशीर्ष में उन्हें मूलाधार में स्थित कहा गया है। योग परंपरा में मूलाधार को शरीर-मन की आधारभूत चेतना से जोड़ा जाता है। इसे आधुनिक मानसिक चिकित्सा का शाब्दिक पर्याय मानना उचित नहीं होगा, लेकिन प्रतीकात्मक रूप से यह संदेश अत्यंत गहरा है–ऊँचाई की यात्रा आधार की स्थिरता से शुरू होती है। जिस व्यक्ति के भीतर सुरक्षा, धैर्य और आत्मविश्वास का आधार कमजोर है, उसकी ऊँची उपलब्धियाँ भी अस्थिर हो सकती हैं। गणेश का शरीर स्वयं एक दृश्य दर्शन है। विशाल मस्तक व्यापक चिंतन की प्रेरणा देता है। छोटे नेत्र सूक्ष्म दृष्टि का संकेत देते हैं। बड़े कान अधिक सुनने और कम बोलने की सीख देते हैं। एकदंत त्याग और एकाग्रता का प्रतीक माना जाता है। पौराणिक परंपरा में महाभारत के लेखन से उनके दंत के टूटने की कथा भी जुड़ी है। चाहे इसे धार्मिक आख्यान के रूप में देखें या प्रतीक के रूप में, संदेश यही है कि ज्ञान की साधना में सुविधा से अधिक समर्पण आवश्यक है। गणपति की आराधना भारत की सीमाओं से बाहर भी दिखाई देती है। दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया की विभिन्न सांस्कृतिक परंपराओं में गणेश के अलग-अलग नाम और रूप मिलते हैं। जापान में कांगितेन तथा थाई परंपरा में फ्रा फिकानेत जैसे रूप इसके उदाहरण हैं। यह सांस्कृतिक विस्तार बताता है कि गणेश की छवि केवल धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि ज्ञान, सफलता और बाधा-निवारण के व्यापक सांस्कृतिक प्रतीक के रूप में भी विकसित हुई। नेतृत्व और राजनीति के स्तर पर 'गणपति' शब्द स्वयं विचार का विषय है। 'गण' अर्थात समूह और 'पति' अर्थात स्वामी या अधिपति। नेतृत्व का वास्तविक अर्थ केवल आदेश देना नहीं, विविध स्वभावों और हितों वाले लोगों को एक उद्देश्य की ओर ले जाना है। जिस नेता के पास शक्ति तो हो लेकिन सुनने की क्षमता न हो, वह लंबे समय तक समाज का विश्वास नहीं रख सकता। यहीं गणेश बल की वास्तविक परीक्षा होती है। बुद्धिबल योजना बनाता है, धनबल साधन उपलब्ध कराता है, बाहुबल परिश्रम करता है और जनबल परिवर्तन को गति देता है; लेकिन इन सबको सही दिशा देने वाला विवेकबल न हो तो वही शक्तियाँ विनाशकारी भी हो सकती हैं। इसलिए गणेश बल किसी चमत्कारी शक्ति का नाम नहीं, बल्कि शुभ संकल्प, शुद्ध बुद्धि, आत्मसंयम, विवेक, श्रम और लोकमंगल के समन्वय का नाम है। आज अंतिम जन को गणेश से जोड़कर देखने का सबसे बड़ा अर्थ यही है कि हमारी बुद्धि केवल अपने लाभ के लिए न हो, हमारा धन केवल अपने उपभोग के लिए न हो और हमारा बाहुबल केवल अपनी सुरक्षा तक सीमित न रहे। यदि बुद्धि किसी भूखे के लिए समाधान खोजती है, धन किसी जरूरतमंद के जीवन में अवसर पैदा करता है और शक्ति किसी कमजोर की रक्षा में खड़ी होती है, तो वही शक्ति गणेश बल बन जाती है। गणेश हमें सिखाते हैं कि विघ्न बाहर कम और भीतर अधिक होते हैं। रास्ते की बाधा हटाना सरल है, लेकिन अहंकार, लोभ, भय और अविवेक की दीवार गिराना कठिन है। जो मनुष्य इन आंतरिक विघ्नों पर विजय पा लेता है, वही वास्तव में बलवान है। इसलिए विनायक केवल आरंभ के देवता नहीं, सही आरंभ के देवता हैं। वे केवल सफलता की कामना नहीं, सफलता की शुचिता का प्रश्न भी खड़ा करते हैं। वे केवल शक्ति नहीं, शक्ति का संयम हैं; केवल बुद्धि नहीं, बुद्धि का विवेक हैं; केवल समृद्धि नहीं, समृद्धि का लोकमंगल हैं। और जब मनुष्य अपनी समस्त शक्तियों को अंतिम जन के कल्याण से जोड़ देता है, तब उसके भीतर जो शक्ति जन्म लेती है–वही सबसे बड़ा गणेश बल है।

–डॉ. दीपक गोस्वामी

'अगर मुंह खोल दिया तो...'

अखिलेश यादव पर जयंत चौधरी का तीखा हमला, यूपी चुनाव से पहले गरमाई सियासत

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल अभी से तेज हो गई है। खासकर गठबंधन और सीटों के बंटवारे को लेकर नेताओं के बीच बयानबाजी लगातार बढ़ रही है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया जयंत चौधरी के बीच पिछले कुछ दिनों से चल रही तकरार अब और तीखी हो गई है। दोनों नेता एक-दूसरे पर लगातार राजनीतिक निशाना साध रहे हैं। जयंत चौधरी ने जवाब देते हुए अखिलेश यादव पर तीखा हमला किया। उन्होंने संकेत दिया कि उनके पास पुरानी राजनीतिक घटनाओं से जुड़ी कई बातें हैं और अगर उन्होंने उन्हें सार्वजनिक करना शुरू कर दिया तो सपा अध्यक्ष के लिए उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुश्किल पैदा हो सकती है। जयंत ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि अगर उन्होंने 'मुंह खोल दिया' तो अखिलेश यूपी में खड़े नहीं हो पाएंगे। उनके इस बयान के बाद दोनों दलों के बीच चल रही खींचतान को लेकर राजनीतिक चर्चा और तेज हो गई है। अखिलेश और जयंत के बीच यह पहली बार नहीं है जब सार्वजनिक मंच से तीखी बयानबाजी हुई हो। इससे पहले अखिलेश यादव ने जयंत पर तंज कसते हुए उनके राजनीतिक सफर को लेकर कई टिप्पणियां की थीं और राजनीति की 'एबीसीडी' सिखाने जैसी बात कही थी। जवाब में जयंत चौधरी ने चौधरी चरण सिंह की राजनीतिक विरासत का जिक्र करते हुए कहा था कि मुलायम सिंह यादव ने भी उसी राजनीतिक परंपरा से सीख ली थी। उन्होंने सपा की राजनीति पर 'गन्ना' और 'जाट' के मुद्दों तक सीमित रहने का आरोप लगाते हुए भी निशाना साधा था।

73 सीटों वाले तंज पर जयंत ने दिया जवाब

विवाद की शुरुआत अखिलेश यादव के उस बयान से हुई, जिसमें उन्होंने एनडीए में आरएलडी को मिलने वाली सीटों को लेकर कटाक्ष किया था। अखिलेश ने कहा था कि अगर जयंत चौधरी की पार्टी को यूपी में 73 विधानसभा सीटें दी जाती हैं, तभी माना जाएगा कि गठबंधन ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का सम्मान किया है। इस पर जयंत चौधरी ने साफ कहा कि चुनाव में मिलने वाली सीटों की संख्या को चौधरी चरण सिंह के सम्मान से जोड़ना उचित नहीं है। उनके मुताबिक चौधरी चरण सिंह की विरासत किसी राजनीतिक सीट या गठबंधन के आंकड़े पर निर्भर नहीं करती।

यूपी के साथ उत्तराखंड में भी चुनाव लड़ेगा आरएलडी

दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जयंत चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल उत्तर प्रदेश के साथ उत्तराखंड में भी चुनाव मैदान में उतरेगा। उन्होंने कहा कि एनडीए के सभी सहयोगी दल मिलकर चुनाव लड़ेंगे। सीटों के बंटवारे पर जयंत ने कहा कि गठबंधन में कई मुद्दों पर बातचीत चलती रहती है और हर बातचीत को सार्वजनिक करना जरूरी नहीं होता। उन्होंने दोहराया कि आरएलडी को कितनी सीटें मिलती हैं, यहां तक कि अगर एक भी सीट न मिले, तब भी इससे चौधरी चरण सिंह के सम्मान पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उनके मुताबिक चौधरी चरण सिंह की पहचान और सम्मान जनता के बीच कायम है।

यूपीएसएसएससी अभ्यर्थियों का लखनऊ में हल्ला-बोल

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के आवास पहुंचे 300 से ज्यादा युवा

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी भर्तियों को लेकर अभ्यर्थियों का इंतजार और नाराजगी लगातार सामने आ रही है। मंगलवार को अलग-अलग भर्ती प्रक्रियाओं से जुड़े 300 से अधिक अभ्यर्थी अपनी मांगों को लेकर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के आवास पर पहुंच गए। अभ्यर्थियों ने हाथों में पोस्टर और बैनर ले रखे थे। उनका कहना था कि लंबे समय से भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद कई पदों पर वेटिंग लिस्ट जारी नहीं की जा रही है। प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थी उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UPSSSC) से जुड़ी अलग-अलग भर्तियों के हैं। इनमें वन रक्षक, लैब टेक्निशियन और सहायक विकास अधिकारी (ADO) समेत कई पदों के उम्मीदवार शामिल

बताए जा रहे हैं। अभ्यर्थियों की मुख्य मांग है कि खाली रह गए पदों के लिए नियमानुसार प्रतीक्षा सूची जारी की जाए, जिससे चयन प्रक्रिया में आगे के उम्मीदवारों को मौका मिल सके। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे अपनी समस्या को लेकर पहले भी डिप्टी सीएम से मुलाकात कर चुके हैं। उस समय उन्हें अपनी मांग पर कार्रवाई की उम्मीद थी, लेकिन अभी तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया। इसी वजह से मंगलवार को बड़ी संख्या में अभ्यर्थी दोबारा डिप्टी सीएम के आवास पहुंचे।

राजभवन कॉलोनी के बाहर जुटे अभ्यर्थी

अभ्यर्थी राजभवन कॉलोनी स्थित डिप्टी सीएम के आवास के बाहर एकत्र हुए। वे अपनी नियुक्ति से जुड़ी समस्याओं को सामने रखने और संबंधित भर्तियों में वेटिंग लिस्ट जारी कराने की मांग कर रहे थे। बड़ी संख्या में युवाओं के पहुंचने से मौके पर हलचल बढ़ गई। अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया में जिन पदों पर रिक्तियां बची हैं, वहां प्रतीक्षा सूची जारी होने से कई युवाओं को नौकरी मिलने का रास्ता साफ हो सकता है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि सरकार और संबंधित भर्ती आयोग उनकी मांगों पर क्या कदम उठाते हैं।

मनोरंजन...........

करियर और परिवार को एक साथ संभालना आसान नहीं: प्रीति जिंटा

मुंबई। लंबे समय बाद फिल्मों में वापसी कर चुकीं बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने अपनी ज़िंदगी के इस सफ़र और मां होने के साथ-साथ प्रोफेशनल जिम्मेदारियां निभाने को लेकर कहा कि करियर और परिवार को एक साथ संभालना आसान नहीं है, लेकिन अगर सही सपोर्ट सिस्टम और सुविधाएं उपलब्ध हों तो यह काम काफी हद तक आसान हो जाता है। बातचीत में सोल्जर एक्ट्रेस ने इस बात पर ज़ोर दिया कि महिलाएं स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं। उनके मुताबिक, महिलाओं के लिए घर, परिवार और बच्चों की ज़िम्मेदारियाँ संभालना कोई नई बात नहीं है, यह उनके लिए स्वाभाविक है। प्रीति ने अपनी मां का उदाहरण देते हुए बताया कि भले ही उनकी मां नौकरी नहीं करती थीं, लेकिन घर और परिवार की देखभाल करना अपने आप में किसी फुल टाइम जॉब से कम नहीं था। उन्होंने अपनी मां की तरह ही हर महिला की क्षमता को सराहा। प्रीति ने कहा, महिलाएं स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं। भले ही मेरी मां नौकरी नहीं करती थीं, लेकिन उनका काम मेरे पिता, तीन बच्चों, घर और न जाने कितनी चीज़ों की देखभाल करना था। अब महिलाएं सुपर वुमन बन गई हैं, क्योंकि बहुत सी महिलाएं काम करती हैं और घर आने के बाद भी बच्चों की देखभाल करती हैं। एक्ट्रेस ने आगे बताया, काम और मदरहुड को एक साथ संभालना चुनौती भरा ज़रूर है। मैं खुद को बहुत लकी मानती हूँ, क्योंकि मेरे साथ ऐसे लोगों का सपोर्ट है, जिनकी मदद से मैं अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल जिम्मेदारियों को मैनेज कर पाती हूँ। अगर मुझे मदद नहीं मिलती, तो मेरे लिए अपने काम के लिए बाहर आना भी मुश्किल होता। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि ज़िंदगी में अलग-अलग चीज़ें हासिल करने के लिए समय-समय पर प्राथमिकताओं को बदलना पड़ता है। अगर आप ज़िंदगी में अलग-अलग चीज़ें चाहते हैं, तो आपको अलग-अलग समय पर चीज़ों को प्राथमिकता देनी पड़ती है। ज़ाहिर तौर पर यह आसान नहीं है, लेकिन अगर आपके पास साधन हैं तो यह इतना मुश्किल भी नहीं है। प्रीति ने उन महिलाओं के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया जो बिना किसी मदद के नौकरी के साथ घर और बच्चों की ज़िम्मेदारी संभालती हैं। उन्होंने कहा, हर महिला की परिस्थितियाँ अलग होती हैं और जिन महिलाओं के पास मदद के ज़्यादा साधन नहीं हैं, उनके लिए यह सफ़र और भी चुनौतीपूर्ण होता है। बता दें कि प्रीति जिंटा ने अपने अभिनय करियर के साथ-साथ अपनी जिंदगी के विभिन्न किरदारों को भी बखूबी निभाया है। शादी और मां बनने के बाद उन्होंने फिल्मों से कुछ समय के लिए दूरी बनाई, लेकिन इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के साथ-साथ अपने बिज़नेस पर भी पूरा ध्यान दिया।

बहराइच में पंखे में उतरा करंट, बेटी को बचाने पहुंचे पिता भी चिपके, दूसरी बेटी भी झुलसी

बहराइच। थाना हरदी क्षेत्र के गदामार गांव में मंगलवार को करंट की चपेट में आने से पिता और उनकी दो बेटियां गंभीर रूप से झुलस गईं। हादसा उस समय हुआ, जब एक युवती पूजा कर रही थी और इसी दौरान पंखे में करंट उतर आया। पंखा छूते ही युवती उसकी चपेट में आ गई। बेटी को करंट से चिपका देख पिता उसे बचाने पहुंचे तो वह भी पंखे से चिपक गए। इसके बाद पीछे से दूसरी बेटी भी उन्हें बचाने पहुंची और वह भी करंट की चपेट में आ गई। हादसे में पिता समेत दोनों बेटियां गंभीर रूप से झुलस गईं। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने तीनों घायलों को तत्काल बहराइच मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को लखनऊ रेफर कर दिया।

बाराबंकी में प्रतिबंधित कोडीन सिरप की बिक्री की शिकायत

- ड्रग विभाग ने 3 मेडिकल स्टोर पर छापा मारा, 2 को बंद कराया, एक संचालक फरार

अमृत उजाला संवाददाता

बाराबंकी। बाराबंकी में प्रतिबंधित कोडीन कफ सिरप की बिक्री की शिकायतें मिलने और सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद ड्रग विभाग ने कार्रवाई की है। विभाग की टीम ने देवा कस्बे के तीन मेडिकल स्टोर पर छापा मारा। कार्रवाई से मेडिकल स्टोर संचालकों में हड़कंप है। ड्रग इंस्पेक्टर रजिया बानो के नेतृत्व में टीम ने पीके मेडिकल स्टोर, पवन मेडिकल स्टोर और जायसवाल मेडिकल स्टोर की जांच की। विभाग को इन दुकानों पर कोडीन कफ सिरप बेचने की शिकायतें मिली थीं। टीम ने दुकानों पर दवाओं के स्टॉक और बिक्री से जुड़े दस्तावेजों की जांच की। जांच में पीके मेडिकल स्टोर और पवन मेडिकल स्टोर पर कोडीन कफ सिरप का स्टॉक नहीं मिला। हालांकि, जांच के दौरान दूसरी गड़बड़ियां सामने आने पर दोनों मेडिकल स्टोरों पर दवा बिक्री रोक दी गई। इन्हें अगले आदेश तक बंद करा दिया गया है। जायसवाल मेडिकल स्टोर का संचालक ड्रग विभाग की टीम के पहुंचने से पहले ही दुकान बंद कर चला गया। विभाग ने संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अगर संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। ड्रग इंस्पेक्टर रजिया बानो ने बताया कि कोडीन कफ सिरप की बिक्री को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन्हीं शिकायतों के आधार पर जांच की गई है। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित या नशीली दवाओं की अवैध बिक्री मिलने पर नियमों के हिसाब से कार्रवाई की जाएगी।

यूनिवर्सल अस्पताल में महिला की मौत पर परिजनों का हंगामा

अमृत उजाला संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी में सोमवार रात इलाज के दौरान महिला की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए संचालक और डॉक्टरों को मौके पर बुलाने की मांग की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया। हंगामे के बाद अस्पताल संचालक और स्टाफ मौके से फरार हो गए। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जांच की तो अस्पताल बिना वैध दस्तावेज संचालित मिला। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी रवि मोहन गुप्ता ने रात 11 बजे अस्पताल को सीज कर दिया। पूरी रात परिजन अस्पताल परिसर में शव के साथ डटे रहे। जानकारी के मुताबिक, कादीपुर सानी निवासी सर्वेश की पत्नी मंशा देवी को 13 सितंबर की शाम करीब तीन बजे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। परिजनों ने बताया कि महिला के फोड़े का ऑपरेशन उसी दिन हुआ था। 14 सितंबर को अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई।

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद, सेंसेक्स 74,000 के करीब

एजेंसी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 777.94 अंक या 1.04 प्रतिशत गिरकर 74,003.82 और निफ्टी 279.50 अंक या 1.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,118.60 पर था। बाजार में सबसे अधिक गिरावट डिफेंस और रियल्टी स्टॉक्स में देखी गई। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस 5.96 प्रतिशत और निफ्टी रियल्टी 4.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप लूजर था। इसके बाद निफ्टी मेटल 2.54 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.41 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 2.40 प्रतिशत, निफ्टी पीएसई 2.29 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक 2.29 प्रतिशत और निफ्टी मीडिया 2.17 प्रतिशत की

गिरावट के साथ बंद हुआ। सूचकांकों में केवल निफ्टी आईटी ही 2.19 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बिकवाली देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,318.95 अंक या 2.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 60,878.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 483.85 अंक या 2.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,422.45 पर था। सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल और टाटा स्टील गेनर्स थे। बीईएल, इंडिगो, टाइटन, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, एसबीआई, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस, इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, पावर ग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, मारुति सुजुकी,एनटीपीसी और आईटीसी लूजर्स थे। उन्होंने आगे निवेशकों को चेतावनी देते हुए कहा कि इस हफ्ते होने वाली अहम सेंट्रल बैंक की बैठकों से पहले निवेशक सतर्क रहे, क्योंकि बड़ी अर्थव्यवस्थाओं द्वारा पॉलिसी को और सख्त किए जाने की उम्मीदें बढ़ रही हैं। लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरों के माहौल (खासकर अमेरिका में) को लेकर चिंताओं ने ट्रेजरी यील्ड को कई सालों के उच्चतम स्तर के करीब बनाए रखा और लगातार विदेशी निवेश की निकासी के बीच उभरते बाजारों के सेंटीमेंट को कमजोर किया।

शोरूम से 14 करोड़ का सोना, 15 लाख कैश चुराया

मथुरा। मथुरा में ज्वेलरी शॉप से 7 घंटे में 10.50 किलो सोना और 15 लाख की नकदी चोरी करने वाले बदमाश को पुलिस ने पकड़ लिया। सोने की कीमत 14 करोड़ बताई गई है। बताया जा रहा है कि चोरी करने वाला कारोबारी का पूर्व कर्मचारी पप्पू है। उसे 6 महीने पहले दुकान से निकाल दिया गया था। पुलिस ने उसके पास से 8 किलो सोना और 11 लाख रुपए बरामद किए हैं।

अमृत उजाला ई-पेपर
amritujala.com
का डिजिटल प्रकाशन है

प्रधान संपादक
डॉ.अखंड प्रताप सिंह

कार्यकारी संपादक
सुषमा पांडेय

सम्पर्क
editor@amritujala.com
अमृत उजाला न्यूज नेटवर्क
328 एक्सपिरियो बिल्डिंग,
विभूति खंड, गोमती नगर,
लखनऊ - 226010